



Seated  
R.H.P.  
2000  
st. 13/4

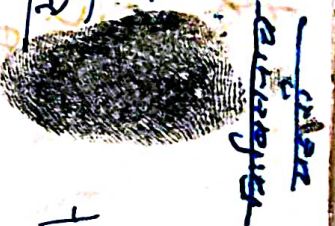
Seated egg

28/10/54

पुस्तक 15.25  
 13.50  
 29.25  
 2.50  
 - 94  
 32.69

- 1 लेखकारी (1) श्री महादेव (2) श्री विसनाथ  
 महतो चौ (3) श्री ... पिता का नाम  
 पुत्रवा महतो स्वर्गीय ... सुधार व्यवसाय  
 गृहस्ती निवास गाँव गाँवरा बरहापुँड नाम  
 सिमडेगा प्र.बीर जिला गुमला बिहल।
- 2 लेखकारी श्री जालेक उंगुंग पिता का नाम प्रमुख  
 उंगुंग स्वर्गीय जगत स्वर्गीय व्यवसाय गृहस्ती  
 निवास गाँव गाँवरा सुन्दरपुर प्रगना बीर  
 नाम सिमडेगा जिला गुमला बिहल परती।
- 3 लेख प्रकार विक्रम चन्द्र (देवाला बला क्लामा पति  
 बीबी पुत्र पुत्रादिक पकेवादिगरे में लिखे।  
 मोठे मोठे रुपया 1000 रुपया प्रिय  
 का काया 1000 रुपया होला है।

सही. पह देवम रूप को विद्वानान महतो ने  
 तुलसी महतो मीन दो सो रुपय अके 2000  
 पाकर पिंकी पहा मिल दिया। सो सब  
 वाग महारे गुम मकतो सही पहा देव महतो।  
 ठीक देखा है। मही तुला भी महतो 82-6-58



मतिपस तुलसी, गोपरा सुधारली  
 दाम मेवात सिमडेगा बीर।  
 ता. 22-6-24

226 26-6-28  
नाम श्री महादेव महतो  
जातग करि  
केनाकर 6  
2-1-1925 का दिया 226  
जनम स्थिति

सही महादेव महतो

2216125

वधवा श्री/श्रीमती  
पिता/पति  
पत्न्यादि  
पति

महादेव महतो  
गुलामा महतो  
जो लया  
कमल



महोदय के निवास पर

पुत्र का नाम  
पुत्री का नाम  
पिता का नाम  
पत्नी का नाम  
पति का नाम

सही महादेव महतो

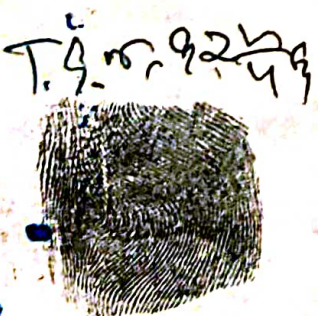
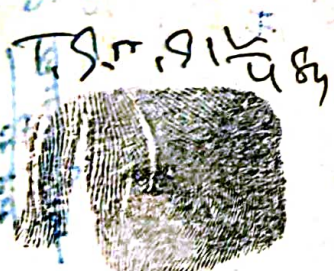
सही महादेव महतो

2216125

महोदय के निवास पर

सही गुलामा महतो 22-6-28

Handwritten notes on the left margin, including dates and names, partially obscured by stamps.





२ साखरि एराजिपाल इन्द्र अपना हिसासास <sup>५</sup>दंगली जवारी बरकास जो साध के नक ही नीसी कर दिया है जिस पर लेखकारी <sup>५</sup>मंदास लख को बड़ी खना कर रहे गया है। सिर्फ ग्यारह मील की ल दक्षिण साधमी <sup>५</sup>फलीजमीन जिस का कुछा बिकरसा नीचे दिया गया है।

सभी पहिले व म हवे 12 चक्षक  
मरी हुलमी महर्गे 22-6-28

मि. बिल गार मर

१ हुं के बाप को आज से बहुत कबला उग्र नदन चान खरीदने को हम लोणारे को खाने खने चाहे लणमा का शक जाररी या और लोख चारी रानी जो के ल उंग उंग से जमीन खरीदने को काजी किया और उसने खरीदना स्वीकार किया।

२ इस बिके हम लोगो ने अपनी इच्छा खराबर और मन की खल्यल में ऊपर खामान ०२ में करील जमीन बाप की इच्छा मोताकित रानी जो के ल उंग उंग से मो ० २००) कपका नगाद मूल्य लु कल पा कर केना और इस जमीन का खब अधि कर उक्त रानी जो के ल उंग उंग को हल्ला करित कर दिया। किचके इस समय पर न हम लोगो का कोई अधिकार रहेगा और न हमारे किसी उत्तराधि करी कारनाम का।

गोप फिलिम कुल्लु कुदरपुर गोतवा  
हाल मो काम सिमडंगा कच हरी

गो 22-6-28

२२६ नं० - २०६-६-२६

श्री महादेव मुदले

जालंधर " बंधु

केजाल " ९

...

...

...

...

T.S.N. 93 ५४३



T.S.N. 94 ५४३





3 इस प्रतिज्ञा करते हैं कि इस जमीन पर हम  
 लोगों का हक़ पूरा करके बाप के ज़माने में ही या  
 जमीनी नहीं है।

4 इस लिये यह ज़मीन पर रजिस्ट्री कर देंगे कि  
 प्रमाण रहे। (जमीन का पूरा विवरण।)

मौजा गोरख प्रखंड का नाम सिद्धवा का नाम  
 काठवा रजिस्ट्री जमीनी का सिद्धवा का नाम रजिस्ट्री  
 अर्थात् का जिला गुजरात। खेपट नर खाला क्र. 215  
 आठ न. 37 20 म प्रखंड का रकबा 9 ए 25 बी. ये सब प्रखंड  
 हिसाब की रकबा 9 मी. का. 0 का. प्रखंड का रकबा सिद्ध  
 प्रखंड का नाम सिद्धवा का नाम सिद्धवा का नाम  
 आठ रकबा 9 मी. जमीन। जमीन का रकबा का नाम सिद्धवा  
 सिद्धवा का नाम सिद्धवा सिद्धवा का नाम सिद्धवा का नाम  
 के कर लेख्य का रजिस्ट्री कर लेख्य के। हिसाब की रकबा  
 सिद्धवा का नाम सिद्धवा का नाम सिद्धवा का नाम सिद्धवा का नाम  
 सिद्धवा का नाम सिद्धवा का नाम सिद्धवा का नाम सिद्धवा का नाम

दिनांक 14/23/2023

सही नाम का रजिस्ट्री। 22/1/2023  
 सिद्धवा का नाम सिद्धवा का नाम सिद्धवा का नाम



जो सही नाम सिद्धवा का नाम  
 सिद्धवा का नाम सिद्धवा का नाम सिद्धवा का नाम  
 सिद्धवा का नाम सिद्धवा का नाम सिद्धवा का नाम सिद्धवा का नाम

४८४

२२-६-२४

नाम महर्षिदेव महर्षी

सा० गीतिका प्र० कि०

व स्तेत्रेपालादि २ ११ ३०

हृ० श० का० ना० द० मि० का० दि० वा

संस्कृत चरित्राणि

शुभला



संस्कृत

संस्कृत



संकेतगण (१) श्री महादेव महतो वीर (२) श्री बिसनाय महतो वीर (३) श्री तुलसी महतो  
 धिमान गुलपा महतो सा नोत्तमगुहापुरा जना सिधेगा जिला गुल्ता  
 हालपय याग करते हैं जो नयोरह्य वीर कर रहे हैं। यह बिहार  
 भूमि सुधार अधिनियम की निधि रण सं अधिप्राय भूमि कर्म  
 संसाधन अधिनियम १९६२ एन बिहार गहरी सम्पत्ति (सीपा)  
 अधिनियम १९६२ जो बिहार गजट एम्प्लॉयमेंट विनियम १९६२  
 में प्रकाशित किया गया है के अनुसार ही निधि रण के  
 आवरण हैं।

महादेव महतो।

श्री. बिसनाय महतो

तुलसी महतो

पहिलानं श्री फिलीप बुद्ध नल्य ससिरील बुद्ध में बिसेला यहां महतो  
 श्री बिसनाय महतो वीर तुलसी महतो रज गुल्पा महतो) ससिन  
 गीतरा बाहापुर जना सिधेगा (गुल्ता) सं में ने पहचान  
 किया उहों ने येरे प्रायन दस्तावेज को देया दिया सं हलकर  
 सपकीस किया दि उपर सं ध्यान उपर में जान नारी एवं बिजनस्त  
 में लचके।

फिलीप बुद्ध

निबंधन वदाधि नारी सिधेगा

४३३

२२-६-२५

नाम महादेव महतो

सा० जीवण प्रवर्धक

३ संश्लेषक पत्र ५-६०४ ३०

१६-२-७५ का. सं. पत्रिका क. त. वा

१६-२-७५ का. सं. पत्रिका क. त. वा

सिमरंगा : मुंबई







श्रीवा: - श्री जी लोकेन्द्र उंगडुंग वल्लभ शरकुल उंगडुंग स्वतः साहिब

गोवरा सुन्दरपुर यात्रा सिमडेगा जिला गुजरात। सहायक  
 व्यापक सरताई है कि जो जमीन में खरीद रखा है वह बिहार  
 प्रथम सुधार (अधिविषय सीमा निधारण से अधिकोष  
 प्रथम अर्जित) से सीधे अधिविषय संक १५६३ संकित  
 गहरी मयति सीमा अधिविषय १५६२ जो बिहार गजद एक  
 आडीनरी दिनांक १५-५-६३ ई में उक्त शिखर विद्युत गया है  
 अनुसार सीमा निधारण से जयदा नहीं होगा।

श्री लोकेन्द्र उंगडुंग

परिचय: - श्रीवा शरी जी लोकेन्द्र उंगडुंग वल्लभ शरकुल उंगडुंग को श्री  
 फिलीप कुलु वल्लभ वल्लभ वल्लभ कुलु सा. गोवरा सुन्दरपुर  
 यात्रा सिमडेगा जिला गुजरात में पहचान दिया उस में मेरे  
 सामने हलफन ब्यतीक किया कि उपर से व्यापक उस में  
 जान करी संव विप्रवस्तु से सच है।

फिलीप कुलु

श्रीवा शरी लोकेन्द्र उंगडुंग

४७३

२२-६-२४

नाम जोसि कडुंग डुंग

सा: गणेश प्र: कडुंग

प: स्तेशाय कडुंग ए. ए. ७०

हस्ताक्षर का. ए. ए. प. नि. का. ए. ए.

अथवा म. ए. ए. ए. ए. ए.

लिपिदेगा मुंबई



७/७ २. १०  
७/७ २. १०

७/७ २. १०

७/७ २. १०  
७/७ २. १०  
७/७ २. १०  
७/७ २. १०  
७/७ २. १०  
७/७ २. १०  
७/७ २. १०